प्रफुल्ल कोलख्यान का संक्षिप्त परिचय

मूल नाम - प्रफुल्ल कुमार झा
जन्म- 04 अप्रैल 1962, मिथिलांचल के गजहरा (मातृक), मधुबनी, बिहार के सामान्य किसान परिवार में।

प्रकाशन - ***मँजी हुई शर्म का जनतंत्र*** (कविता संग्रह - 1997), ***साहित्य समाज और जनतंत्र*** (आलेख संग्रह- 2003), ***बाजारवाद और जनतंत्र*** (आलेख संग्रह- 2006), ***आजादी और राष्ट्रीयता का मतलब*** (आलेख संग्रह- 2009), ***छूटे हुए क्षण*** (जीवनानुभव -2010)। अनेक महत्त्वपूर्ण पुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं में कविताएँ, लेख, टिप्पणियाँ प्रकाशित। मातृभाषा मैथिली में भी छिट-फुट लेख टिप्पणियाँ प्रकाशित। बांग्ला, अंगरेजी में कुछ रचनाओं के अनुवाद प्रकाशित।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के कई आयोजनों में विशेषज्ञ के रूप में भागीदारी। साहित्य अकादमी सहित विभिन्न साहित्यिक-सांस्कृतिक संगठनों, संचार माध्यमों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के सेमिनारों में भागीदारी। समाज और संस्कृति से जुड़े विभिन्न विषयों और जनहित के मुद्दों पर निरंतर लेखन।

शोध एवं आलोचना कार्य के लिए बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, बिहार सरकार की ओर से साहित्य सेवा सम्मान 1998, प्रमोद वर्मा आलोचना सम्मान (युवा) 2011।

नाबार्ड के पश्चिम बंगाल क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता में कार्यरत।

संपर्क - ए-8/16 आवासन, 134/3 सी. एस. मुखर्जी स्ट्रीट, कोन्नगर, हुगली - 712 235.
मो. 09433759016.